पटना विश्वविद्यालय

Patna University

Estd. 1917

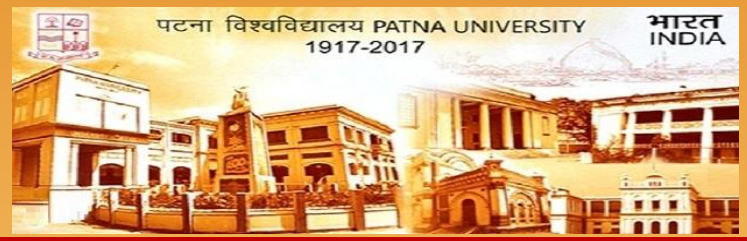

Patna University In News (30.08.2022)

पीयू मुख्यालय में होगी वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई

बदला-बदला नजर आएगा पटना विश्वविद्यालय कैंपस, दरभंगा हाउस में जाएगा वाणिज्य महाविद्यालय

जागरण संवाददाता, पटना : आने वाले कुछ वर्षों में पटना विश्वविद्यालय कैंपस का दृश्य बदला-बदला रहेगा। विश्वविद्यालय मुख्यालय में वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई होगी। विश्वविद्यालय मुख्यालय का कार्यालय पटना कालेज कैंपस में बनने वाले प्रशासनिक भवन में शिफ्ट होगा। साथ ही इसी कैंपस में नया एकेडमिक भवन भी बन रहा है। नए एकेडमिक भवन में दरभंगा हाउस में चल रहे तमाम पीजी विभाग शिफ्ट किए जाएंगे। दरभंगा हाउस को वाणिज्य महाविद्यालय को दे दिया जाएगा।

एकेडमिक एवं प्रशासनिक भवन पटना कालेज कैंपस स्थित खाली पड़ी सात एकड़ जमीन पर बन रहा है। दोनों भवन के लिए बनाए गए नक्शे को सरकार ने रद कर दिया है और पुराने भवन के आधार पर नया नक्शा बनाने का आदेश दिया। बताया जाता है कि नया नक्शा बन कर तैयार है। जल्द ही सरकार से इसकी अनुमति ली जाएगी।

इस नक्शे को विश्वविद्यालय के दस आर्किटेक्चर ने मिलकर तैयार किया है। नये नक्शा के अनुसार एकेडमिक एवं प्रशासनिक भवन सात मंजिला होगा। इसके लिए राज्य सरकार 1.40 करोड़ रुपये आवंटित भी कर दी है। सरकार से अनुमति मिलते ही इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मामले पर छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो अनिल कुमार बताते हैं कि संभवतः दोनों भवनों का शिलान्यास अगले महीने हो जाए। शिक्षा विभाग से अनुमति मिलने के बाद शिलान्यास कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री से समय लिया जाएगा।

पीयू मुख्यालय में ये कोर्स जाएंगे

एमसीए, एमएड, एमबीए, एमकाम, एलएलएम, एम.एलआइबी, एमजेएमसी, बीबीए, बीसीए, बी.एलईबी, वीमेंस स्टडी सहित अन्य यूजी एवं पीजी स्तरीय वोकेशनल कोर्स

एकेडमिक भवन में ये पीजी विभाग शिफ्ट होंगे

इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, समाजशास्त्र विभाग, अंग्रेजी विभाग, अप्लायड इक्कोनामिक्स एंड कामर्स विभाग, हिंदी विभाग, मैथिली विभाग, संस्कृत विभाग, अरबी विभाग, परसियन विभाग, उर्दू।

नए प्रशासनिक भवन में ये कार्यालय शिफ्ट होंगे

कुलपति एवं पतिकुलपति कार्यालय, परीक्षा विभाग, एकेडमिक विभाग, कुलसचिव एवं उपकुलसिच, कार्यालय, आइटी विभाग, वित्त विभाग, छात्र कल्याण अध्यक्ष व कुलानुशासक कार्यालय, एकाउंट विभाग सहित मुख्यालय के सभी कार्यालय।

स्पाट नामांकन को मेरिट लिस्ट जारी

जासं, पटना : पटना विश्वविद्यालय ने सोमवार को यूजी स्तरीय पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए स्पाट राउंड की मेरिट लिस्ट जारी कर दी। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो अनिल कुमार ने बताया कि 30 और 31 अगस्त को मेरिट लिस्ट में आए छात्र-छात्राओं का नामांकन होगा। जिन आवेदकों का चयन हो गया है वे अपन एप्लिकेशन आइडी और पासवर्ड की मदद से एलाटमेंट लेटर डाउनलोड करेंगे। आनलाइन शुल्क जमा करने के बाद एप्लिकेशन फार्म का प्रिंट, एलाउटमेंट लेटर तथा पेमेंट स्लिप लेकर संबंधित महाविद्यालय में जाएंगे। नामांकन के समय सभी कागजातो का मूल प्रमाण पत्र और पास पोर्ट साईज का चार फोटो रहना चाहिए। एक सितंबर को नए नामांकित छात्रों का कालेज स्तर पर इंडक्शन मीट आयोजित होगा और दो सितंबर से कक्षाएं प्रारंभ हो जाएंगी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में तकनीक के महत्व को बताया

पटना | पटना वीमेंस कॉलेज के जनसंचार विभाग की ओर से इंटर कॉलेज मोबाइल जर्नलिज्म मोजो प्रतियोगिता सोमवार को हुई। विषय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में तकनीक की भूमिका था। इसमें करीब 54 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कॉलेज परिसर में वीडियो को रिकॉर्ड किया तो कुछ ने ऑनलाइन भाग लिया। विभाग की प्रोफेसर ने प्राचार्य डॉ. सिस्टर मारिया रश्मि एसी का आभार जताया।

दैनिक भास्कर

पीडब्ल्यूसी में हुई शोध कार्यशाला

पटना. पटना वीमेंस कॉलेज के आइक्यूएसी की ओर से एक शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका विषय प्रतिमानात्मक अनुसंधान का क्या, कैसे और क्यों था. इसके मुख्य वक्ता प्रो रामधर सिंह थे, जो सामाजिक मनोविज्ञान और प्रबंधन के एक प्रसिद्ध प्रोफेसर हैं. प्रो रामाधार सिंह वर्तमान में अमृत मोदी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं. उन्होंने गुणवत्ता और नैतिक अनुसंधान के संचालन के बारे में चर्चा की. कार्यक्रम में कॉलेज के कुल 61 संकाय सदस्यों ने भाग लिया.

प्रभात खबर Tue, 30 August 2022 https://epaper.prabhatkhabar

एमएमसी : हॉस्टल के लिए कल तक आवेदन

पटना. मगध महिला कॉलेज (एमएमसी) ने छात्रावास में रहने के लिए 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन मांगा है. कॉलेज की वेबसाइट पर आवेदन से संबंधित नोटिस जारी किया गया है. इसमें बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए और बीएसडब्ल्यू की पार्ट टू और थ्री की छात्राएं शामिल हैं. छात्रावास में जो छात्राएं रहना चाहती हैं, वे कॉलेज की वेबसाइट www.magadhmahilacollege.org पर छात्रावास का फॉर्म भर सकती हैं.

प्रभात खबर Tue, 30 August 2022 https://epaper.prabhatkhabar.co

पटना विवि : स्पॉट राउंड से नामांकन आज और कल

मेरिट लिस्ट जारी

संवाददाता, पटना

पटना विश्वविद्यालय में स्पॉट राउंड नामांकन के लिए मेरिट लिस्ट शनिवार को जारी कर दी गयी है. स्पॉट राउंड के लिए 1800 आवेदन आये थे. 30 व 31 अगस्त को छात्र नामांकन लेंगे. स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो अनिल कुमार ने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं का लिस्ट में नाम है. वे अपना लेटर वेबसाइट पर अपने लॉगइन पासवर्ड से डाउनलोड कर सकते हैं. इसके बाद वे पेपर वेरिफिकेशन के लिए संबंधित कॉलेज में जायेंगे और वहां नामांकन लेंगे. उन्होंने कहा कि 31 अगस्त तक हर हाल में छात्र-छात्राओं को नामांकन लेना है. इसके बाद किसी भी हालत में नामांकन प्रक्रिया को क्लोज कर दिया जायेगा. उन्होंने कहा कि एक सितंबर को हर कॉलेज में इंडक्शन मीट का आयोजन किया जायेगा. दो सितंबर को हर हाल में कक्षाएं शुरू कर दी जायेंगी.

प्रभात खबर Tue, 30 August 2022 https://epaper.prabhatkhabar.com/

इंडक्शन एक सितंबर को

बता दें कि पटना विवि के अंतर्गत आने वाले बीएन कॉलेज, मगध महिला कॉलेज, वाणिज्य कॉलेज और साइंस कॉलेज में इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन 1 सितंबर को होगा। सभी विश्वविद्यालय कॉलेजों को निर्देश दिया गया है कि कार्यक्रम अच्छे तरीके से करें ताकि छात्रों में कार्यक्रम के माध्यम से ऊर्जा का संचार हो सके। वहीं सभी कॉलेजों में कक्षाएं 2 सितंबर से शुरू कर दी जाएंगी। कक्षाएं ऑफलाइन माध्यम से संचालित होंगी।

दैनिक भास्कर

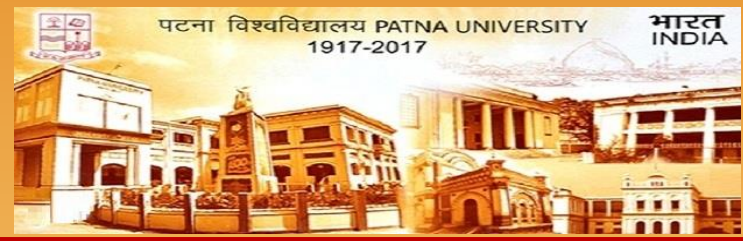

Patna University In News (30.08.2022)

Printed from
THE TIMES OF INDIA

UGC decision likely to benefit faculty-starved Bihar universities

TNN | Aug 30, 2022, 08.27 AM IST

PATNA: The recent move of the UGC to facilitate appointment of renowned experts as "professors of practice" is likely to benefit the faculty-starved institutions of higher education in Bihar. Most universities and colleges, including professional ones, are facing great difficulties in carrying out their academic activities smoothly for lack of sufficient number of experienced subject teachers and, hence, this move will certainly be able to meet their academic requirements in a decent manner, feel academics.

According to the approved draft guidelines for practising professors, experts in fields such as engineering, science, media, literature, entrepreneurship, social sciences, fine arts, civil services and armed forces, among others, will be eligible to work. "Those with proven experience in their particular profession or role with at least 15 years of service or experience, preferably at a senior level, will be eligible to be "professors of practice". Formal academic qualifications are not considered essential for the position if they have exemplary professional practice instead, the guidelines say.

These experts will also be exempted from the publication requirements and other eligibility criteria prescribed for the recruitment of faculty at the professorial level. The number of practising professors in an institution should not exceed 10 percent of sanctioned posts at any point of time. The teaching staff under the scheme will participate in three categories: professors of practice funded by industries, professors of practice recruited by universities from their own resources and professors of practice on an honorary basis.

Welcoming the UGC move, Bihar State Higher Education Council's vice-chairman Kameshwar Jha said the move will certainly benefit if the process of appointment of "practising professors" is fool-proof and need-based. There must be a state-level screening committee consisting of subject experts to ensure appointment of only qualified and competent people on the posts. If some renowned experts of a field are appointed as faculties in an institution, it would be a value addition to the institution and students would greatly benefit from their wide experience in the field.

Munger University's former vice-chancellor Ranjit Kumar Verma said the UGC's initiative would certainly bridge the gap between industries and universities. If an experienced pharmacist is appointed as a faculty in a pharmacy college, the students would certainly be in an advantageous position. Similarly, if a senior geologist working in the field is appointed a faculty in the geology department of a university, the students would certainly have a better idea of field geology, he said.

Patna University Internal Quality Assurance Cell (IQAC) director Birendra Prasad hailed the UGC move for hiring outside experts as "professors of practice" in the universities as it would further the scope of industry-academia interface. He pointed out that, in the 12th plan period, the UGC had already introduced the scheme of appointment of "adjunct faculty" on up to 25 percent vacant posts of teachers.